13 एक तिनका

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

❐

© NCERT not to be republished

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

1. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए।

   जैसे–एक तिनका आँख में मेरी पड़ा–मेरी आँख में एक तिनका पड़ा।

   मूँठ देने लोग कपड़े की लगे–लोग कपड़े की मूँठ देने लगे।

   (क) एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा– .....

   (ख) लाल होकर आँख भी दुखने लगी– .....

   (ग) ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी– .....

   (घ) जब किसी ढब से निकल तिनका गया– .....

2. 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

3. आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?

4. घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया?

5. 'एक तिनका' कविता में घमंडी को उसकी 'समझ' ने चेतावनी दी–

   ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
   एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

   इसी प्रकार की चेतावनी कबीर ने भी दी है–

   तिनका कबहूँ न निंदिए, पाँव तले जो होय।
   कबहूँ उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय।।

अनुमान और कल्पना

© NCERT not to be republished

•

भाषा की बात

■ ——

——

—— ——

©NCERT not to be republished